UNIVERSITY OF RAJASTHAN, JAIPUR

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

M.A. HINDI

SCHEME OF EXAMINATION
(Annual Scheme)

Each Theory Paper	**3 hrs. duration**	**100 Marks**
Dissertation/Thesis/ Survey Report/ Field Work, if any.		**100 Marks**

2. The number of papers and the maximum marks for each paper/practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the practical part (wherever prescribed) of a subject/paper separately.

3. A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examinations shall be required to obtain (i) atleast 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical(s) wherever prescribed at the examination, provided that if a candidate fails to secure atleast 25% marks in each individual paper at the examination and also in the dissertation/ survey report/field work, wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination notwithstanding his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No division will be awarded at the Previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examinations taken together, as noted below:

   First Division 60%
Second Division 48% } of the aggregate marks taken together of the Previous and the Final Examinations.

   All the rest will be declared to have passed the examination.

4. If a candidate clears any papers(s) / Practical(s) / Dissertation prescribed at the Previous and/or Final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz. 25% (36% in the case of practical) shall be taken into account in respect of such Paper(s) /

Practical(s)/ Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three years; provided that in case where a candidate requires more than 25% marks in order to each the minimum aggregate as many marks out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make up the deficiency in the requisite minimum aggregate.

5. The Thesis/ Dissertation/ Survey Report/Field Work shall be type-written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Registrar atleast 3 weeks before the commencement of the theory examinations. Only such candidates shall be permitted to offer Dissertation/ Field Work/ Survey Report/ Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured atleast 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual scheme and I and II semester examinations taken together in the case of semester scheme, irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

N.B. Non-collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per provisions of O. 170-A.

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) के लिए चार प्रश्न-पत्र होंगे, सभी के निमित्त तीन घंटे समय निर्धारित है और प्रत्येक प्रश्न-पत्र के पूर्णांक 100 होंगे।

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी काव्य - 3 (आधुनिक काव्य)

द्वितीय प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)

तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी काव्य -2 (मध्यकालीन काव्य)

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य - 2 (उपन्यास, कहानी एवं अन्य विधाएँ)

प्रथम प्रश्न पत्र - हिन्दी काव्य - 3 (आधुनिक काव्य)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. कामायनी : जयशंकर प्रसाद– (श्रद्धा, लज्जा तथा आनन्द सर्ग)
2. राग-विराग : सम्पादक डॉ. रामविलास शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता शीर्षक कविताएँ)
3. आंगन के पार द्वार : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ (असाध्य वीणा कविता)
4. चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ (अंधेरे में शीर्षक कविता)
5. कुआनो नदी : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (कुआनो नदी शीर्षक कविता)
6. नाटक जारी है। शीर्षक कविता—लीलाधर जगूड़ी

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ : कामायनी, राग-विराग, आंगन के पार द्वार और चाँद का मुंह टेढ़ा है। (प्रत्येक के पाठ्य अंश से एक-एक व्याख्या) 36 अंक
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। कामायनी से एक प्रश्न, राग-विराग से एक प्रश्न, आँगन के पार द्वार अथवा चाँद का मुँह टेढ़ा है में से एक प्रश्न। एक प्रश्न टिप्पणीपरक होगा, जिसमें दो टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी–पहली टिप्पणी 'कुआनो नदी' से तथा दूसरी नाटकी जारी है कविता से। 64 अंक

सहायक ग्रन्थ :

• कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	डॉ. नगेन्द्र
• कामायनी : एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
• कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन	डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना
• निराला की साहित्य साधना	डॉ. रामविलास शर्मा
• निराला : आत्महंत आस्था	दूधनाथ सिंह
• अज्ञेय	विश्वनाथ तिवारी
• लम्बी कविताओं का शिल्प विधान	नरेन्द्र मोहन
• मुक्तिबोध	अशोक चक्रधर

- सर्वेश्वर का काव्य — डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : व्यक्ति और साहित्य — डॉ. कल्पना अग्रवाल, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर

द्वितीय प्रश्न-पत्र: साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)

समय : 3 घंटे — पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

(क) साहित्य की परिभाषा और उसके भेद-प्रभेद, साहित्य की प्रमुख विधाओं के सैद्धान्तिक स्वरूप की विवेचना - प्रबन्धकाव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य) मुक्तक काव्य (गीति प्रगीति काव्य) उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी, रेखा चित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज, साहित्य का अन्य अनुशासनों से संबंध, काव्य रचना के तत्त्व . 20 अंक

(ख) भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं काव्य शास्त्र के विविध सम्प्रदाय : रस, ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति, अलंकार, औचित्य।
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्तों की वर्तमान में प्रासंगिकता 20 अंक

(ग) पाश्चात्य काव्य शास्त्र - अरस्तु, लौंजाइन्स, इलियट, सार्त्र, मार्क्स और लुकाच के सिद्धान्त, आई.ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त।

(घ) आलोचना (सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक) 20 अंक
(1) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास
(2) हिन्दी का आलोचना शास्त्र - पाठालोचन, सैद्धान्तिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक, नयी समीक्षा। 20 अंक

(ङ) हिन्दी के प्रमुख आलोचक - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

अंक विभाजन :

(क) प्रश्न चार इकाइयों से एक-एक प्रश्न पूछा जाएगा और प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 20×4

(ख) पाँचवीं इकाई से टिप्पणी परक प्रश्न पूछा जायेगा। 10×2
(कुल दो टिप्पणियाँ)

सहायक ग्रन्थ :

1. साहित्यालोचन : श्यामसुन्दर दास
2. काव्यशास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र
3. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग एक : बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : शांतिस्वरूप गुप्त
8. समीक्षालोक : डॉ. भागीरथ मिश्र

9. पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
10. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
11. भारतीय काव्य शास्त्र : सत्यदेव चौधरी
12. काव्य शास्त्र : भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धान्तों का विवेचन आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी भारतीय साहित्य मन्दिर, फव्वारा दिल्ली।
13. लुकाच का यथार्थ दर्शन : डॉ. राकेश कुमार, शुभदा प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली-32

तृतीय प्रश्न पत्र - हिन्दी काव्य-2 (मध्यकालीन काव्य)

समय : 3 घंटे पूर्णांक - 100

पाठ्यपुस्तकें :

1. भ्रमरगीत सार : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (पद संख्या 101 से 160 तक कुल 60 पद)
2. विनय पत्रिका : गीता प्रेस गोरखपुर (अन्तिम पचास पद)
3. बिहारी सार्धशती : डॉ. ओमप्रकाश, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
4. घनानन्द कवित्त : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, प्रकाशन (प्रारम्भ के 50 पद)
5. मीरा मुक्तावली : संपादक नरोत्तम स्वामी, श्रीराम मेहरा,आगरा (पद संख्या 26 से 75)
6. दीवान-ए-गालिब : संपादक अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (छंद संख्या 21, 33, 79, 86, 112, 116, 128, 149, 161, 163, 179, 209, 220 और 230)

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : भ्रमरगीत सार, विनयपत्रिका, बिहारी सार्धशती और घनानंद कवित्त से। प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक-एक व्याख्या।
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। 'भ्रमरगीत सार' से एक प्रश्न, 'विनय पत्रिका' से एक प्रश्न, 'बिहारी' अथवा 'घनानन्द' से एक प्रश्न। एक प्रश्न टिप्पणीपरक होगा, जिसमें दो टिप्पणियां होंगी - पहली 'मीरां मुक्तावली' से और दूसरी 'दीवान-ए-गालिब' से। 64 अंक

सहायक ग्रन्थ

1. सूर का भ्रमरगीत : डॉ. शंकरदेव अवतरे
2. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा
3. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय : डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन।
4. सूर की काव्य कला : डॉ. मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली।
5. तुलसी : डॉ. उदयभानु सिंह
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नगरी प्रचारिणी सभा
7. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाराणसी
8. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द : डॉ. मनोहरलाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

10. आनन्द घन : डॉ. रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
11. मीरा पदावली : डॉ. शम्भुसिंह मनोहर
12. मीराबाई : पदमावती शबनम

चतुर्थ प्रश्न पत्र-हिन्दी गद्य-2 (उपन्यास, कहानी एवं अन्य विधाएँ)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

पाठ्यपुस्तकें :

1. गोदान : प्रेमचन्द, सरस्वती प्रेस 2/43, दरियागंज, दिल्ली
2. अन्तिम अरण्य, निर्मल वर्मा, ज्ञानपीठ, दिल्ली
3. स्मृति लेखा : अज्ञेय, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
   (भारत कोकिला : सरोजिनी नायडू और कवि वत्सला होमवती देवी शीर्षक पाठों को छोड़कर)
4. निर्धारित आधुनिक कहानियाँ :

जिन्दगी और जोंक	–	अमरकान्त
बादलों के घेरे	–	कृष्णा सोवती
खोई हुई दिशाएँ	–	कमलेश्वर
परिन्दे	–	निर्मल वर्मा
तीसरी कसम	–	फणीश्वरनाथ रेणु
चीफ की दावत	–	भीष्म साहनी
यही सच है	–	मन्नू भण्डारी
एक और जिन्दगी	–	मोहन राकेश
टूटना	–	राजेन्द्र यादव
नन्हो	–	शिवप्रसाद सिंह
प्रेत मुक्ति	–	शैलेश मटियानी
किराये की कोख	–	आलमशाह खान
पार्टीशन	–	स्वयं प्रकाश
छप्पन तोले का करधन	–	उदयप्रकाश

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक खण्ड से एक-एक 36 अंक
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न : प्रत्येक से एक-एक 64 अंक

सहायक ग्रंथ

1. प्रेमचन्द्र के उपन्यासों का शिल्प विधान : कमलकिशोर गोयनका
2. गोदान : गोपालराय
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : संपादक भीष्म साहनी और रामजी मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियां, डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

5. हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव
6. मन्नू भण्डारी का कथा साहित्य, गुलाबराव हाड़े
7. नई कहानी : संवेदना और शिल्प : राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र तिवारी
9. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान : डॉ. रामदरश मिश्र
10. एक दुनिया समानान्तर : सम्पादक राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन
11. प्रतिनिधि कहानियां : स्वयंप्रकाश
12. तिरिछ : उदयप्रकाश
13. किराये की कोख : आलमशाह खान
14. कहानी : नयी कहानी : डॉ. नामवरसिंह
15. कथाकार मन्नू भण्डारी : अनीता राजूरकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा के लिए पाँच प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। प्रत्येक के लिए निर्धारित समय 3 घण्टे होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी गद्य-1 (नाटक, निबंध एवं आलोचना)
द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी काव्य-1 (प्राचीन एवं निर्गुण काव्य)
तृतीय प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
चतुर्थ प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान
पंचम प्रश्नपत्र : विशिष्ट अध्ययन : कवि, साहित्यकार, भाषाएँ, विधाएँ आदि। (कोई एक)

प्रथम प्रश्न पत्र—हिन्दी गद्य-1 (नाटक, निबंध एवं आलोचना)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. आधे अधूरे : मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन
2. 'स्कन्दगुप्त' : जयशंकर प्रसाद
3. हयवदन (अनूदित नाटक) : गिरीश कर्नाड, राधाकृष्ण प्रकाशन (अनुवाद ब.व. कान्त)
4. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
5. **निर्धारित निबंध** : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है (बालकृष्ण भट्ट), उत्साह (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), देवदारू (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), उत्तराफाल्गुनी के आस-पास (कुबेरनाथ राय) और ठिठुरता हुआ गणतंत्र (हरिशंकर परसाई)
6. **आलोचनात्मक निबंध** : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), भारतीय साहित्य की प्राण-शक्ति (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), छायावाद (आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी) और रस-सिद्धान्त के विरुद्ध आक्षेप और उनका समाधान (डॉ. नगेन्द्र)।

अंक विभाजन :

1.	कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक से एक-एक (हयवदन व अंधेरनगरी छोड़कर)	36 अंक (9×4)
2.	कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न :	64 अंक
	क. स्कन्दगुप्त या आधे अधूरे से एक प्रश्न	(16×1)
	ख. खंड 5 व 6 पर एक - एक प्रश्न	(16×2)
	ग. खंड तीन व चार पर टिप्पणी परक प्रश्न, प्रत्येक पर एक टिप्पणी	(8×2)

सहायक ग्रंथ :-

- मोहन राकेश के नाटक : जयदेव तनेजा
- नटरंग का पचासवाँ अंक : सम्पादक नेमीचन्द जैन
- आज के रंग नाटक : गिरीश रस्तोगी
- अंधेर नगरी : सं. गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन
- रंग दर्शन : नेमीचन्द जैन
- हिन्दी निबंध : उद्भव और विकास : डॉ. ओंकारनाथ शर्मा
- निबंध और निबंधकार : मोहनलाल जिज्ञासु
- श्रेष्ठ हिन्दी निबंधकार : डॉ. सुरेश गुप्ता
- आलोचक की आस्था : डॉ. नगेन्द्र
- आलोचना के आधार-स्तम्भ : सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल और डा. सुरेशचन्द्र गुप्त
- आलोचना और आलोचना : डॉ. बच्चनसिंह
- हिन्दी आलोचना : प्रकृति और परिवेश : डॉ. तारकनाथ बाली

द्वितीय प्रश्न पत्र : हिन्दी काव्य-1 (प्राचीन एवं निर्गुण काव्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यपुस्तकें :

1. बीसलदेव रास : संपादक माता प्रसाद गुप्त
2. विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद (वंशी माधुरी, रूप-वर्णन, बसन्त मिलन और विरह शीर्षक से संकलित कुल 36 पद)
3. जायसी ग्रंथावली : संपादक रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा (पद्मावत के सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड, बारहमासा खण्ड, षट्ऋतु वर्णन खण्ड एवं नागमती-वियोग खण्ड)
4. कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन (पद संख्या 163 से 202 तक - कुल 40 पद)
5. संत काव्य : परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद (केवल नानक और दादू)

अंक विभाजन :

1.	कुल चार व्याख्याएँ : बीसलदेव रास, विद्यापति, पद्मावत और कबीर पाठ्यपुस्तक से एक-एक	36 अंक

2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (पद्मावत से एक प्रश्न, कबीर से एक प्रश्न, विद्यापति अथवा बीसलदेव रास में से एक प्रश्न। एक प्रश्न टिप्पणीपरक पूछा जायेगा जिसमें दो टिप्पणियाँ होंगी - पहली नानक की तुलना कबीर या दादू से, दूसरी टिप्पणी दादू की तुलना कबीर से)। 64 अंक

सहायक ग्रंथ :

- विद्यापति : डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित
- विद्यापति : डॉ. शुभकार कपूर
- विद्यापति वाग्विलास : डॉ. गुणानन्द जुयाल, कुमार प्रकाशन, बरेली
- जायसी : विजयदेवनारायण साही
- पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
- कबीर : विजेन्द्र स्नातक
- कबीर साहित्य की परख : गोविन्द त्रिगुणायत
- नानक वाणी : सम्पादक जयराम मिश्र, लोकभारती प्रकाशन
- राजस्थान का संत साहित्य : पुरुषोत्तम मेनारिया
- राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
- हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल

तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

- इस प्रश्न पत्र में पाँच इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेगा। पाँचवीं इकाई का प्रश्न टिप्पणीपरक होगा। दो टिप्पणियाँ (प्रत्येक 10 अंक की) पूछी जावेंगी।

इकाई क- आदिकाल : हिन्दी साहित्य का आरम्भ, आदिकाल का नामकरण एवं प्रमाणिकता का प्रश्न, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियाँ। 20 अंक

इकाई ख- मध्यकाल : भक्ति आंदोलन : उदय के कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्त:प्रादेशिक वैशिष्ट्य।

— हिन्दी संत काव्य - वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य, संत काव्य की विशेषताएँ।

— हिन्दी सूफी काव्य-वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा, सूफी प्रेमाख्यान का स्वरूप, हिन्दी का सूफी काव्य।

— हिन्दी कृष्ण काव्य—वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, कृष्ण भक्ति शाखा के कवि और काव्य।

— हिन्दी राम काव्य - वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य।

— रीतिकाल - नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध)। 20 अंक

इकाई ग - आधुनिक काल का काव्य :

1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल। द्विवेदी युग - महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्यधाराएँ - छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता। 20 अंक

इकाई घ - आधुनिक काल का गद्य साहित्य :

उपन्यास, कहानी, नाटक,आलोचना, निबंध एवं अन्य विधाएँ 20 अंक

इकाई ङ- हिन्दी में साहित्य इतिहास लेखन :

परम्परा, समस्याएँ और परिदृश्य, साहित्य इतिहास का काल विभाजन। हिन्दी की प्रमुख साहित्यिक संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ, हिन्दी में अनूदित साहित्य। 10+10 अंक

सहायक ग्रंथ :

- हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास : डॉ. नगेन्द्र
- आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ. लक्ष्मीसागर वर्ष्णेय
- हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिव कुमार शर्मा
- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) : विश्वनाथप्रसाद मिश्र
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

चतुर्थ प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

सम्पूर्ण प्रश्नपत्र पाँच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेगा और प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

प्रथम इकाई :-

1. भाषा : अर्थ, महत्त्व, विशेषताएँ, परिवर्तन के कारण
2. भाषा के विविध रूप
3. भाषा विज्ञान से तात्पर्य, ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध
4. भाषा अध्ययन के विभिन्न प्रकार, मूल अवधारणाएँ एवं सामान्य परिचय :- वर्णनात्मक, तुलनात्मक, ऐतिहासिक, भाषा भूगोल
5. भाषा विज्ञान के विविध अंग - मूल अवधारणा एवं सामान्य परिचय, ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं शब्द विज्ञान।

द्वितीय इकाई :-

1. भाषा विज्ञान की भारतीय परम्परा, भाषा विज्ञान की पाश्चात्य परम्परा, हिन्दी एवं राजस्थानी सम्बन्धी भारतीय एवं विदेशी विद्वानों के कार्य
2. अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
3. ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
4. रूप परिवर्तन एवं वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

तृतीय इकाई :-

1. भारत के विविध भाषा परिवार - आर्य, द्रविड़, कोल एवं नाग
2. प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएँ - वैदिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट, पुरानी हिन्दी
3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ :- वर्गीकरण
4. हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ
5. राजभाषा हिन्दी
6. हिन्दी की ध्वनियाँ, वर्गीकरण एवं सामान्य परिचय

चतुर्थ इकाई :-

1. हिन्दी शब्द समूह : स्रोत एवं विकास
2. हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण एवं परसर्गों का विकास
3. राजस्थानी से अभिप्राय, राजस्थानी की प्रमुख विशेषताएँ, राजस्थान की प्रमुख बोलियाँ - ढूंढाड़ी, हाड़ौती, मारवाड़ी, मेवाड़ी, मालवी, शेखावाटी, बागड़ी, मेवाती, ब्रज

पंचम इकाई :-

1. लिपि की परिभाषा
2. लिपि और भाषा का सम्बन्ध
3. लिपि के विकास का इतिहास - चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि लिपि, ब्राह्मी लिपि तथा खरोष्ठी लिपि की विशेषताएँ
4. हिन्दी के मानकीकरण में देवनागरी लिपि का योगदान
5. देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास
6. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. भाषा विज्ञान : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडेमी
5. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
6. हिन्दी की बोलियाँ एवं उपभाषाएँ : डॉ. हरदेव बाहरी
7. भाषा और भाषिकी : देवीशंकर द्विवेदी

8. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
9. राजस्थानी भाषा : डॉ. सुनीति कुमार चाटर्जी, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
10. हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक व्याकरण : डॉ. माता बदल जायसवाल
11. हिन्दी भाषा और साहित्य : डॉ. भोलानाथ तिवारी
12. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : डॉ. रामविलास शर्मा
13. भाषा विज्ञान : संपादक डॉ. राजमल बोरा, मयूर पेपरबैक्स।

पंचम प्रश्न पत्र : विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

समय : 3 घण्टे (क) कवि, साहित्यकार पूर्णांक : 100

(1) तुलसीदास

पाठ्यग्रंथ :

1. रामचरित मानस : गीता प्रेस, गोरखपुर
2. विनय पत्रिका : सं. वियोगी हरि
3. गीतावली : गीता प्रेस, गोरखपुर
4. कवितावली : गीता प्रेस, गोरखपुर

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक-एक। 28 अंक
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न—रामचरित मानस से एक प्रश्न, विनय पत्रिका से एक प्रश्न, गीतावली अथवा कवितावली से एक प्रश्न और एक प्रश्न कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि से सम्बन्धित। 72 अंक

सहायक ग्रंथ :

- गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- तुलसीदास और उनका युग : राजपति दीक्षित
- तुलसीदास : डॉ. माताप्रसाद गुप्त
- तुलसीदास : रासबिहारी शुक्ल
- तुलसीदास : चन्द्रबली पाण्डेय
- रामचरित मानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन : डॉ. रामकुमार पाण्डेय
- तुलसी-दर्शन : बलदेव प्रसाद मिश्र
- तुलसी-काव्य-मीमांसा : डॉ. उदयभानु सिंह
- विनयपत्रिका और गीतावली का मूल्यांकन : भूपालसिंह रावत

अथवा

(क) (2) सूरदास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. सूर पंचरत्न : सं. लाला भगवानदीन
2. भ्रमरगीत सार : सं. रामचन्द्र शुक्ल

3. साहित्य लहरी
4. सूर सारावली।

अंक विभाजन :

1. चारों ग्रंथों से एक-एक व्याख्या पूछी जायेगी। कुल चार व्याख्याएँ 28 अंक
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न—सूर पंचरत्न से एक, भ्रमरगीत सार से एक, साहित्य लहरी अथवा सूरसारावली से एक, और कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक प्रश्न । 72 अंक

सहायक ग्रंथ :

- कृष्णकाव्य और सूरदास : डॉ. प्रेमशंकर
- सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- सूर-निर्णय : प्रभुदयाल मीतल
- सूर सौरभ : डॉ. मुंशीराम शर्मा
- सूरदास की काव्य-कला : डॉ. मनमोहन गौतम
- सूर और उनका साहित्य : डॉ. हरवंशलाल शर्मा
- सूरदास : डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
- सूर साहित्य की भूमिका : डॉ. रामरतन भटनागर
- सूरदास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- सूरदास : संपादक हरवंशलाल शर्मा

अथवा

(क) (3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :-

1. निर्धारित कविताएँ - प्रेम माधुरी, प्रेम तरंग, विनय-प्रेम, प्रेम पचासा, मानसोपायन, भारत वीरत्व, विजयिनी विजय वैजयन्ती, नये जमाने की मुकरी, प्रातः समीकरण, बकरी विलाप और हिंदी की उन्नति पर व्याख्यान।
2. मुद्रा राक्षस (अनूदित)
3. सत्य हरिश्चन्द्र
4. निर्धारित निबंध - एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न, भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है और "नाटक" शीर्षक निबंध

अंक विभाजन :

1. भारतेन्दु के पाठ्यग्रंथों से सम्बन्धित चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी। अंक 28
2. भारतेन्दु की जीवनी तथा युगीन परिवेश से सम्बन्धित एक प्रश्न, नाटकों से सम्बन्धित एक प्रश्न, काव्य से सम्बन्धित एक प्रश्न और निबंधों से सम्बन्धित एक प्रश्न, कुल चार

प्रश्न। अंक 72

सहायक ग्रंथ :-

- भारतेन्दु समग्र : हिन्दी प्रकाशन संस्थान
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र भाग एक : ब्रजरत्नदास, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
- भारतेन्दु कला : प्रेमनारायण शुक्ल
- भारतेन्दु की विचारधारा : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
- भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा
- भारतेन्दु की भाषा और शैली : गोपाल खन्ना
- भारतेन्दु ग्रंथावली : संपादक ब्रजरत्नदास

अथवा

(क) (4) जयशंकर प्रसाद

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. लहर
2. चन्द्रगुप्त
3. काव्यकला तथा अन्य निबंध
4. आकाशदीप (कहानी संग्रह)

अंक विभाजन 3

1. कुल चार व्याख्याएँ - प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक। अंक 28
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न "लहर" से एक प्रश्न, "चन्द्रगुप्त" से एक प्रश्न, काव्यकला तथा अन्य निबंध अथवा "आकाशदीप" से एक प्रश्न, कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर एक प्रश्न अंक 72

सहायक ग्रंथ :

- प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक अध्ययन : डॉ. जगदीश चन्द्र जोशी
- जयशंकर प्रसाद : नन्ददुलारे वाजपेयी
- प्रसाद की काव्य-साधना : रामनाथ सुमन
- प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
- लहर सुधा निधि : डॉ. मधुर मालती सिंह
- प्रसाद साहित्य में प्रेम तत्व : प्रभाकर श्रोत्रिय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

अथवा

(क) (5)अज्ञेय

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. एक बूँद सहसा उछली

2. कितनी नावों में कितनी बार
3. भवन्ती
4. शेखर : एक जीवनी भाग एक व भाग दो

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ - प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक-एक। अंक 28
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न—कितनी नावों में कितनी बार से एक प्रश्न, शेखर : एक जीवनी से एक प्रश्न, एक बूँद सहसा उछली अथवा भवन्ती से एक प्रश्न, कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर एक प्रश्न। अंक 72

सहायक ग्रंथ :-

- अज्ञेय : सम्पादक विद्या निवास मिश्र
- अज्ञेय : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन : डॉ. केदार शर्मा
- अज्ञेय का काव्य : एक पुनर्मूल्यांकन : शम्भुनाथ चतुर्वेदी
- अज्ञेय का कथा-साहित्य : ओम प्रभाकर
- अज्ञेय के उपन्यास : प्रकृति और प्रस्तुति : डॉ. केदार शर्मा
- शेखर : एक जीवनी : विविध आयाम : संपादक कमल राय
- शेखर : एक जीवनी का महत्त्व : परमानन्द श्रीवास्तव
- शब्द पुरुष अज्ञेय : नरेश मेहता
- अज्ञेय का संसार : शब्द और सत्य : संपादक अशोक वाजपेयी

अथवा **(क) (6) प्रेमचन्द**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :-

1. कुछ विचार (निबंध)
2. मानसरोवर (प्रथम खण्ड)
3. रंगभूमि
4. गबन

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ - प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक-एक। अंक 28
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न 'गबन' से एक प्रश्न, रंगभूमि से एक प्रश्न, 'मानसरोवर' से एक प्रश्न तथा 'कुछ विचार', रचनाकार की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधृत एक प्रश्न। अंक 72

सहायक ग्रंथ :-

- प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ. रामविलास शर्मा
- प्रेमचन्द साहित्य कोष : कमल किशोर गोयनका

- कलम का सिपाही : अमृतराय
- विविध प्रसंग : अमृतराय
- कलम का मजदूर : मदनगोपाल
- प्रेमचन्द घर में : शिवरानी
- प्रेमचन्द : संपादक डॉ. विश्वनाथ तिवारी
- प्रेमचन्द : जीवन और कृतित्व : हंसराज रहबर
- किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचन्द : वीर भारत तलवार
- राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य : वीर भारत तलवार
- प्रेमचन्द के उपन्यास साहित्य में सांस्कृतिक चेतना : नित्यानन्द पटेल

अथवा (ख) भाषाएँ—कोई एक भाषा

(ख) (1) उर्दू

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. माजामीने चक-बस्त
2. मुसद्दसे हाली-हाली
3. मुकद्दमा-ए-शेरो-शायरी-हाली

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से एक-एक व्याख्या होगी 28 अंक
2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक पर एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न 54 अंक
3. उर्दू साहित्य के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न 18 अंक

सहायक पुस्तकें :

1. तारीखे अदब उर्दू—राम बाबू सक्सेना—अनुवाद-मिर्जा मुहम्मद अस्करी (अध्याय 1,2,3— पृष्ठ 1 से 57)
2. उर्दू साहित्य का इतिहास—एजाज हुसैन—अंजुमन तरक्की ए उर्दू, अलीगढ़।
3. उर्दू साहित्य की झलक—डॉ. फजले इमाम, प्र. राजस्थान प्रकाशन मंदिर, जयपुर।

अथवा (ख) (2) मराठी

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. शकुन्तला—किर्लोस्कर
2. उषाकाल—हरिनारायण आप्टे
3. अभिनव काव्यमाला भाग 4, केलकर
4. निबन्धमाला, भाग एक—जी.जी. आगस्कर

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पुस्तक से एक-एक रूपान्तरण या व्याख्या पूछी जायेगी।

(कुल चार रूपान्तर या व्याख्याएँ) 28 अंक
2. शकुन्तला से एक समीक्षात्मक प्रश्न 18 अंक
3. उषाकाल से एक समीक्षात्मक प्रश्न 18 अंक
4. अभिनव काव्यमाला से एक समीक्षात्मक प्रश्न 18 अंक
5. निबन्धमाला से एक समीक्षात्मक प्रश्न 18 अंक

अथवा (ख) (3) बंगला

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. संचयिता—रवीन्द्रनाथ ठाकुर
2. आनन्दमठ—बंकिमचन्द्र चटर्जी
3. भारत महिला—हरप्रसाद शास्त्री
4 चन्द्रगुप्त—द्विजेन्द्र लाल राय

अंक विभाजन

1. प्रत्येक पुस्तक में से एक-एक रूपान्तरण या व्याख्या पूछी जायेगी।
(कुल चार रूपान्तरण या व्याख्याएँ) 28 अंक
2. संचयिता से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न 18 अंक
3. आनन्दमठ से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न 18 अंक
4. भारत महिला से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न 18 अंक
5. चन्द्रगुप्त से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न 18 अंक

अथवा (ख) (4) गुजराती

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. गुजरात नो नाथ—कन्हैयालाल माणिक्यलाल मुंशी
2. ओतराती दीवालो—काका कालेलकर
3. पारिजात (पारीजात)—पूजालाल

अंक विभाजन :

1. एक प्रश्न में व्याख्या या रूपान्तरण के लिए तीन अवतरण, प्रत्येक पुस्तक से एक-एक 28 अंक
2. प्रत्येक पुस्तक पर आधारित एक-एक समीक्षात्मक एवं एक प्रश्न गुजराती व्याकरण या इतिहास से सम्बन्धित 72 अंक

अथवा (ग) आधारभूत भाषाएँ (कोई एक भाषा)

(ग) (1) संस्कृत

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. किरातार्जुनीयम भारवि (प्रथम सर्ग)
2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् प्रथम चार अंक—कालिदास
3. चन्द्रापीड़ कथा—बी. अनन्ताचार्य

व्याकरण :

1. व्याकरण प्रवेशिका—डॉ. बाबूराम सक्सैना
2. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी—डॉ. कपिलदेव

अंक विभाजन :

1. एक प्रश्न चार व्याख्याओं या रूपान्तरों से सम्बन्धित होगा। 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' से दो तथा शेष पुस्तकों में से प्रत्येक से एक-एक व्याख्या या रूपान्तर पूछा जायेगा। 28 अंक
2. प्रत्येक पुस्तक से सम्बन्धित एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न होगा एवं एक प्रश्न व्याकरण से सम्बन्धित होगा। 72 अंक

अथवा (ग) (2) पालि भाषा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. पालिजातकावली—बटुकनाथ शर्मा
   धम्मपद—(प्रथम दश बग्ग)।

व्याकरण :

1. पालि प्रबोध—आद्यादत्त ठाकुर, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ।
2. ए मैनुअल ऑफ पालि—सी.बी. जोशी, ओरियन्ट बुक एजेन्सी, पूना।
3. पालि व्याकरण—भिक्षुधर्मरक्षित।

इतिहास :

1. पालि साहित्य का इतिहास—भरत सिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. पालि भाषा और साहित्य—डॉ. इन्दु चन्द्र शास्त्री, प्र. हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्यायें अथवा चार अनुवाद, प्रत्येक पुस्तक से दो-दो अवतरण व्याख्या अथवा अनुवाद के लिये चुने जायेंगे। 28 अंक
2. दो प्रश्न पाठ्य पुस्तकों पर 36 अंक
3. पालि साहित्य से सम्बन्धित एक प्रश्न 18 अंक
4. एक प्रश्न व्याकरण से सम्बन्धित होगा 18 अंक

अथवा (ग) (3) प्राकृत

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. पाइयगज्ज संग्रहो—(कथा 3,5,6,7,9 व 13) सं. डॉ. राजाराम जैन प्राच्य भारती प्रकाशन, आरा (बिहार)
2. बज्जालग्ग में जीवन मूल्य—सं. डॉ. कमल चन्द सौगाणी, प्र. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
3. समणसुक्त चयनिका—सं.डॉ. कमलचन्द सौगाणी, प्र. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर प्रारम्भ की 100 गाथायें।

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्याएँ—'पाइयगज्ज संग्रहो' से दो, 'बज्जालग्ग' से एक और 'समणसुत्त'से एक 28 अंक
2. एक समीक्षात्मक प्रश्न 'पाइयगज्ज' संग्रहों से 18 अंक
3. एक समीक्षात्मक प्रश्न 'बज्जालग्ग' अथवा 'समणसुत्त चयनिका' से 18 अंक
4. एक प्रश्न प्राकृत साहित्य के इतिहास से सम्बन्धित साहित्य का उद्भव और विकास 18 अंक
5. एक प्रश्न प्राकृत भाषा और व्याकरण से सम्बन्धित भाषा का उद्भव और विकास, प्राकृत भाषा के विविध रूप और उनकी क्षेत्रीय विशेषताएँ, व्याकरण—संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और क्रिया विशेषण। 18 अंक

सहायक पुस्तकें :

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास—डॉ. जगदीश चन्द्र जैन, प्र. चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास—डॉ. नेमिचन्द शास्त्री, प्र. तारा पब्लिकेशन, वाराणसी।
3. प्राकृत जैन कथा साहित्य—डॉ. जे.सी.जैन, प्र. लाल भाई दलपत भाई भारतीय संस्कृति विद्या मन्दिर, अहमदाबाद।
4. प्राकृत दीपिका—डॉ. सुदर्शनलाल जैन, प्र. पी.बी. रिसर्च इन्स्टीट्यूट, वाराणसी।
5. प्राकृत मार्गोपदेशिका—श्री बेचरदास जीवराजे दोशी, प्र. मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली।
6. हेमचन्द्र प्राकृत व्याकरण भाग 1,2—व्याख्याता श्री प्यारचन्द जी प्र. श्री जैन दिवाकर दिव्य ज्योति कार्यालय, ब्यावर।
7. अभिनव प्राकृत व्याकरण—डॉ. नेमीचन्द शास्त्री, प्र. तारा पब्लिकेशन्स वाराणसी।
8. प्राकृत प्रबोध—सं. डॉ. नेमीचन्द जैन, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
9. बज्जलग्ग—सं. माधव वासुदेव पटवर्धन प्राकृत ट्रेक्ट्स सोसायटी, अहमदाबाद।

अथवा (ग) (4) अपभ्रंश

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(क) 1. स्वयंभू-पउम चरिउ, (पाठ सं. 3 व 4) अपभ्रंश काव्य सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर से।

2. सरहपा-पाखंड-खंडन प्रकरण, मंत्र देवता बेकार प्रकरण, काया तीर्थ प्रकरण, गुरु महिमा प्रकरण, हिन्दी काव्यधारा-राहुल सांकृत्यायन से।
3. देवसेन-सावयधम्मदोहा (पाठ संख्या 17) अपभ्रंश काव्य सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर से।
4. योगीन्दु-आत्मा प्रकरण, पंथ पोथी पत्रा की निन्दा प्रकरण-हिन्दी काव्यधारा से।
5. रामसिंह-पाखंड-खण्डन प्रकरण, गुरु महिमा प्रकरण, मंत्र तंत्र आदि ध्यान बेकार प्रकरण, हिन्दी काव्यधारा से।
6. हेमचन्द्रसूरि-दोहे-1 से 37, अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा-डॉ. शंभुनाथ पांडेय से।

(ख) अब्दुर्रहमान-प्रोषित-पतिका का संदेश प्रकरण-हिन्दी काव्यधारा से।

(ग) अपभ्रंश रचना सौरभ-डॉ. कमलचन्द सोगाणी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर

परीक्षा योजना

1. चार व्याख्याएँ-तीन 'क' खण्ड से एवं एक 'ख' खण्ड से (आन्तरिक विकल्प देय) 4×7=28
2. एक प्रश्न 'क' खण्ड से रचनाचार/रचना पर केन्द्रित (आन्तरिक विकल्प देय) 1×18 =18
3. एक प्रश्न 'ख' खण्ड से रचनाकार/रचना पर केन्द्रित (आन्तरिक विकल्प देय) 1×18=18
4. एक प्रश्न अपभ्रंश भाषा के व्याकरण से सम्बन्धित (आन्तरिक विकल्प देय) 1×18=18
5. एक प्रश्न अपभ्रंश साहित्य के इतिहास पर केन्द्रित (आन्तरिक विकल्प देय) 1×18=18

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी काव्यधारा, राहुल सांकृत्यायन
2. अपभ्रंश काव्य सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
3. अपभ्रंश रचना सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
4. अपभ्रंश अभ्यास सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
5. अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा, डॉ. शम्भुनाथ पांडेय
6. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान-डॉ. नामवरसिंह
7. अपभ्रंश साहित्य : डॉ. हरिवंश कोछुड भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली
8. अपभ्रंश भाषा का अध्ययनः डॉ. वीरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, एस. चाँद एण्ड कम्पनी, दिल्ली।

अथवा (ग) (5) राजस्थानी भाषा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(क) राजस्थानी भाषा :

1. भारतीय भाषाओं में राजस्थानी का महत्त्व, राजस्थानी की प्रमुख विशेषताएँ एवं प्रमुख बोलियाँ।
2. राजस्थानी भाषा का इतिहास।

(ख) राजस्थानी साहित्य :

1. राजस्थानी गद्य एवं पद्य

गद्य और पद्य में निर्धारित पाठ्य ग्रंथ ये हैं—

गद्य :

1. राजस्थानी गद्य चयनिका सं. ब्रजनारायण पुरोहित प्र. श्याम प्रकाशन, जयपुर मूल्य 7 रु.।
2. अचलदास खींची री वचनिका—सम्पादक भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

पद्य :

1. वेलि क्रिसन रूक्मणी री : पृथ्वीराज राठौड़—सं. नरोत्तमदास स्वामी—श्रीराम - मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा (प्रारम्भ के 225 छन्द वसन्त वर्णन से पूर्व तक)
2. राजस्थानी रसधारा—डॉ. शम्भूसिंह मनोहर, श्याम प्रकाशन, जयपुर, मूल्य 6/-

अंक विभाजन :

1. गद्य व पद्य की प्रत्येक पुस्तक से एक-एक व्याख्या होगी 28 अंक
2. राजस्थानी भाषा की विशेषता, व्याकरण अथवा भाषा के इतिहास से सम्बन्धित एक प्रश्न 16 अंक
3. राजस्थानी गद्य साहित्य चयनिका अथवा वचनिका से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
4. राजस्थानी पद्य साहित्य बेलि अथवा रसधारा से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
5. राजस्थानी साहित्य (गद्य-पद्य) के इतिहास से सम्बन्धित दो टिप्पणियाँ (आन्तरिक विकल्प देय, शब्द सीमा 300 शब्द प्रति टिप्पणी) 24 अंक

पाँचवां प्रश्न टिप्पणीपरक होगा जिसमें दो टिप्पणियाँ 12-12 अंक अर्थात् कुल 24 अंक की पूछी जायेंगी। इस टिप्पणीपरक प्रश्न में गद्य एवं पद्य के इतिहास से सम्बन्धित टिप्पणियाँ होंगी। (आन्तरिक विकल्प देय, शब्द-सीमा 300 शब्द होगी)

सहायक पुस्तकें :

1. राजस्थानी भाषा—डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी—राजस्थानी साहित्य शोध संस्थान, उदयपुर।
2. पुरानी राजस्थानी—डॉ. तेसीतोरी (अनु. डॉ. नामवरसिंह) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. राजस्थानी व्याकरण—लेखक एवं प्रकाशक—सीताराम लालस, जोधपुर।
4. संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण—नरोत्तमदास स्वामी-सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर।
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य—डॉ. मोतीलाल मैनारिया-हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
6. राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण—ग्रियर्सन, अनु. डॉ. आत्माराम जाजोरिया, राजस्थान

भाषा प्रचार सभा, जयपुर।

7. राजस्थानी हिन्दी कोष भाग 2—डॉ. भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरिया—प्रकाशक, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
8. ढोला मारु रा दूहा—एक अध्ययन—डॉ. कृष्णबिहारी सहल—आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।
9. रूकमणी हरण सायंजी झूलाकृत—विश्लेषण एवं मूल्यांकन, श्रीमती ऊषा शर्मा—ऊषा पब्लिशिंग हाऊस, जोधपुर
10. राजस्थानी गद्य उद्भव और विकास—सं. डॉ. शिवस्वरूप शर्मा 'अचल', सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर।
11. सांस्कृतिक राजस्थान भाग एक—प्र. अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, हरीसन रोड़, कलकत्ता।
12. आधुनिक राजस्थानी साहित्य—प्रेरणास्रोत और प्रवृत्तियाँ, डॉ. किरण नाहटा।
13. राजस्थानी शोध निबन्ध—डॉ. शम्भुसिंह मनोहर।

अथवा (घ) कोई एक विधा

(घ) (1) हिन्दी नाटक और रंग मंच

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. नीलदेवी—भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।
2. अजात शत्रु—जयशंकर प्रसाद
3. अंधा युग—धर्मवीर भारती
4. आठवाँ सर्ग—सुरेन्द्र वर्मा

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्याएँ (प्रत्येक पुस्तक से एक) 28 अंक
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न (हिन्दी नाटक और रंगमंच पर एक प्रश्न, भारत दुर्दशा अथवा स्कन्दगुप्त से एक प्रश्न, अंधायुग से एक प्रश्न और आठवाँ सर्ग से एक प्रश्न) 72 अंक

सूचना :

नाट्यालोचन के सिद्धान्त और नाटक साहित्य का इतिहास विषयों पर भी प्रश्न पूछे जायेंगे, किन्तु प्रत्येक प्रश्न किसी न किसी उक्त इकाई से सम्बद्ध होगा।

सहायक पुस्तकें :

1. भरत नाट्य शास्त्र—चौखम्बा सीरीज, बनारस अथवा कोई भी अनुवाद
2. दशरूपक, धनंजय—चौखम्बा सीरीज, बनारस या हिन्दी अनुवाद
3. नाट्यदर्पण—रामचन्द्र गुणचन्द्र—नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली
4. हिन्दी नाटक—सिद्धान्त और विवेचना—डॉ. गिरीश, ग्रन्थम, रामबाग, कानपुर।
5. रंगदर्शन—नेमीचन्द्र जैन

6. रंगमंच—बलवन्त गार्गी
7. हिन्दी रंगमंच का इतिहास—डॉ. चन्दूलाल दुबे, जवाहर पुस्तक, मथुरा।
8 नाटक का उद्भव और विकास—डॉ. दशरथ ओझा।

अथवा (घ) (2) हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. कलिकथा वाया बाईपास—अलका सरावगी
2. बाणभट्ट की आत्मकथा—हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. अनित्य—मृदुला गर्ग
4. 'कथासतीसर' (चन्द्रकान्ता)

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक-एक व्याख्या—कुल चार व्याख्याएँ 28 अंक
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न (कलिकथा वाया बाईपास पर एक प्रश्न, अनित्य पर एक प्रश्न, एक प्रश्न बाणभट्ट की आत्मकथा अथवा कथासतीसर से, उपन्यास के उद्भव और विकास तथा रचनागत प्रवृत्तियों पर एक प्रश्न) पूछे जाएँगे।
   इस प्रकार कुल चार प्रश्न होंगे। 72 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास : डॉ. सुषमा धवन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र
3. हिन्दी उपन्यास कोष : गोपालराय
4. उपन्यास का जन्म : परमानन्द श्रीवास्तव
5. हिन्दी उपन्यास : प्रयोग के चरण : राजमल बोरा
6. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों में युवा का स्वरूप : डॉ. विमला सिंह, कला प्रकाशन, वाराणसी।
7. आज का हिन्दी उपन्यास : डॉ. इन्द्रनाथ मदान
8. हिन्दी उपन्यास का स्वरूप : डॉ. शशिभूषण सिंहल
9. अधूरे साक्षात्कार : नेमीचन्द्र जैन
10. प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास, भाग एक, भाग दो : डॉ. यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य एकेडेमी, चण्डीगढ़।

अथवा (घ)(3) नया काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :-

1. श्रम का सूरज—केदारनाथ अग्रवाल
2. शिलापंख चमकीले—गिरिजा कुमार माथुर

3. प्रतिनिधि कविताएँ—केदारनाथ सिंह
4. सुरत निरत—ऋतुराज

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पुस्तक से एक व्याख्या—कुल चार व्याख्याएँ अंक 28
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न—एक प्रश्न नया काव्य : उद्भव और विकास तथा रचनागत प्रवृत्तियों पर, एक प्रश्न श्रम का सूरज से या शिलापंख चमकीले से, एक प्रश्न प्रतिनिधि कविताएँ और एक प्रश्न सुरत निरत पर—कुल चार प्रश्न पूछे जायेंगे। अंक 72

सहायक ग्रंथ :

1. शुद्ध कविता की खोज : रामधारी सिंह दिनकर
2. प्रगतिशील काव्य धारा और केदारनाथ अग्रवाल : डॉ. रामविलास शर्मा
3. राजस्थान का हिन्दी साहित्य : साहित्य ऐकेडेमी, उदयपुर
4. राजस्थान की हिन्दी कविता : संपादक प्रकाश आतुर
5. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. फिलहाल : अशोक वाजपेयी
7. नये प्रतिमान पुराने निकष : लक्ष्मीकान्त वर्मा
8. कवितान्तर : डॉ. जगदीश गुप्त

अथवा (घ) (4) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. हिन्दी कहानी-संग्रह : संपादक भीष्म साहनी, साहित्य एकेडेमी
2. तेईस हिन्दी कहानियाँ : जैनेन्द्र

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से दो-दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी। इस प्रकार कुल चार व्याख्याएँ 28 अंक की होंगी। अंक 28
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। हिन्दी कहानी-संग्रह से दो प्रश्न, तेईस हिन्दी कहानियों में से एक प्रश्न तथा एक प्रश्न हिन्दी कहानी के उद्भव, विकास एवं उसके विविध आंदोलनों पर पूछा जायेगा अंक 72

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी कहानी की शिल्प-विधि का विकास : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
2. हिन्दी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
3. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
4. कहानी : नयी कहानी : डॉ. नामवरसिंह
5. आधुनिक कहानी का परिपार्श्व : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा

7. नयी कहानी : पुनर्विचार : मथुरेश, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : मधुर उप्रेती
9. हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना

अथवा (घ) (5)लोक-साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. लोक साहित्य के सामान्य सिद्धान्त—लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा, तत्व, प्रकार, क्षेत्र, महत्त्व, लोक और साहित्य का सम्बन्ध, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य, लोक मानस की अवधारणा, लोक साहित्य और अन्य विषयों से सम्बन्ध। लोक साहित्य कला या विज्ञान।
2. लोक गीत—अर्थ, परिभाषा, महत्त्व, वर्गीकरण, तत्व, लोकगीत और साहित्यिक गीत, प्रमुख लोकगीत—राजस्थान और ब्रज प्रदेश से सम्बन्धित, लोकगीतों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, रचना-प्रक्रिया, शिल्प विधान।
3. लोकगाथा और लोककथा—अर्थ, परिभाषा, तत्व, महत्व, प्रकार, प्रमुख लोकगाथाएँ व लोक कथाएँ, राजस्थान और ब्रज प्रदेश से सम्बन्धित, लोकगाथाओं व लोकथाओं में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, रचना प्रक्रिया, शिल्प विधान।
4. लोक नाट्य—अर्थ, परिभाषा, महत्त्व, प्रकार, तत्त्व, राजस्थान और ब्रज प्रदेश से सम्बन्धित प्रमुख लोकनाट्य लोक रंगमंच, रंग विधान, लोक नाट्यों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, शिल्प-विधान।
5. (क) लोकोक्ति, मुहावरे और पहेलियाँ—अर्थ, परिभाषा, महत्त्व, प्रकार, अभिव्यक्त लोक जीवन और संस्कृति।
   (ख) लोक साहित्य के संकलन का कार्य, प्रविधि और कठिनाइयाँ, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, प्रमुख लोक साहित्य सेवी और उनकी देन।

अंक विभाजन :

प्रथम चार इकाइयों से एक-एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का, पाँचवीं इकाई 'क' और 'ख' दो भागों में विभक्त है। प्रत्येक भाग 10 अंकों का। इससे सम्बन्धित एक-एक प्रश्न।

सहायक ग्रंथ :

1. लोक साहित्य विद्वान—डॉ. सत्येन्द्र
2. लोक साहित्य सिद्धान्त और अध्ययन—डॉ. श्रीराम शर्मा
3. लोक साहित्य की भूमिका—डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
4. राजस्थानी लोक साहित्य—श्री नानूराम संस्कर्ता
5. ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन—डॉ. सत्येन्द्र
6. राजस्थानी लोक गीत भाग 1, 2—डॉ. स्वर्णलता अग्रवाल

7. राजस्थानी लोक गाथाएँ—डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा
8. राजस्थानी बाल साहित्य एक अध्ययन—डॉ. मनोहर शर्मा
9. राजस्थानी कहावतें, एक अध्ययन—डॉ. कन्हैयालाल बहल
10. ब्रज और बुन्देली लोकगीतों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. शालिगराम गुप्त।

अथवा (घ) (6) हिन्दी पत्रकारिता : सिद्धान्त और व्यवहार

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. **पत्रकारिता : सिद्धान्त एवं स्वरूप :**
   (1) पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, महत्त्व और प्रभाव।
   (2) पत्रकारिता और साहित्य, साहित्य सृजन के विविध आंदोलनों के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान। पत्रकारिता और रचना-धार्मिता। पत्रकार के गुण और दोष, कर्तव्य, आधुनिक युग में पत्रकारिता का महत्त्व।
   (3) हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
2. **प्रेस कानून :**
   (1) अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, लोकतांत्रिक परम्पराएँ, मौलिक अधिकार और साहित्य से सम्बद्धता, स्वतन्त्र प्रेस की अवधारणा।
   (2) प्रमुख प्रेस कानून, मानहानि, न्यायालय की अवमानना, कॉपीराइट एक्ट 1957, प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, श्रम जीवी पत्रकार कानून 1955, प्रेस काँसिल अधिनियम 1973, औषधि और चमत्कारिक उपचार (क्षेत्रीय विधान)अधिनियम 1954, भारतीय सरकारी गोपनीयता कानून 1923, युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून, 1956, संसदीय विशेषाधिकार।
   (3) **समाचार-लेखन एवं प्रस्तुतीकरण :**
   समाचार एवं उनके विविध प्रकार, समाचार संरचना, संवाददाता, उनके कर्तव्य एवं दायित्व, समाचार प्रेषण—विविध प्रणालियाँ।
   (4) **समाचार संपादन कला :**
   संपादक, संपादकीय विभाग की संरचना, समाचार-चयन, शीर्षक, लेखन, पृष्ठसज्जा, स्तम्भ लेखन, पुस्तक-समीक्षा, फीचर-लेखन।
   (5) **दृश्य-श्रव्य संचार-माध्यम :**
   जन संचार के प्रमुख माध्यम, भारत में आकाशवाणी व दूरदर्शन का उद्भव और विकास, महत्त्व एवं प्रभाव।

अंक विभाजन :

प्रत्येक खण्ड से सम्बन्धित एक प्रश्न होगा। कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक होंगे।

सहायक ग्रंथ :

1. जन माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता भाग 1,2—प्रवीण दीक्षित, सहयोग साहित्य संस्थान, कानपुर।
2. समाचार पत्रों का इतिहास—अम्बिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमण्डल, बनारस।
3. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम—डॉ. वेदप्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. हिन्दी पत्रकारिता—डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।
5. प्रेस विधि—डॉ. नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. भारत में प्रेस विधि—सुरेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ. मनोहर प्रभाकर, गतिमान प्रकाशन
7. संवाद और संवाददाता—राजेन्द्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
8. समाचार संकलन और लेखन—डॉ. नन्दकिशोर त्रिखा, हिन्दी समिति, लखनऊ
9. संवाददाता-सत्ता और महत्त्व—हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद
10. समाचार संपादन—प्रेमनाथ चतुर्वेदी, ऐकेडेमिक बुक्स, दिल्ली।
11. सपादन कला—के.पी. नारायणन, म.प्र.हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
12. आकाशवाणी—राम बिहारी विश्वकर्मा, प्रकाशन विभाग, दिल्ली
13. फीचर-लेखन—प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग, दिल्ली।

अथवा (च) 7-दलित साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. सदियों का संताप—ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. अछूत-दयापवार
3. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र—शरण कुमार लिबाले
4. दलित कहानी संचयन : सं. रमणिका गुप्ता (हिन्दी कहानियाँ मात्र)

अंक विभाजन

1. प्रत्येक खंड से एक-एक व्याख्या—कुल चार व्याख्याएँ 28 अंक
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न, प्रत्येक से एक 72 अंक

सहायक ग्रंथ

1. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र—ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. युद्धरत आम आदमी—सं. रमणिक गुप्ता (पत्रिका) (दलित अंक)
3. दलित साहित्य—अंक 2002, अंक 2003, सं. जयप्रकाश कर्दम
4. हरिजन से दलित—सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
5. आधुनिकता के आइने में दलित—सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन
6. वसुधा (पत्रिका)—58वां अंक, मध्य प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ
7. दलित और अश्वेत साहित्य —कुछ विचार, सं. चमन लाल, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला

अथवा (घ) 8-स्त्री-लेखन और विमर्श

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें—

1. एक जमीन अपनी, चित्रा मुद्गल (उपन्यास)
2. संग सार—नासिरा शर्मा (कहानी संग्रह)
3. कस्तूरी कुंडल बसे—मैत्रेयी पुष्पा (आत्मकथा)
4. स्त्री उपनिवेश—प्रभा खेतान (निबंध)

अंक विभाजन

1. प्रत्येक खंड से एक व्याख्या — 7×4 = 28 अंक
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न-प्रत्येक से एक — 18×4 = 72 अंक

सहायक ग्रंथ—

1. स्त्री पुरुषः कुछ पुनर्विचार, राजशेखर, वाणी प्रकाशन
2. आदमी की निगाह में औरत, राजेन्द्र यादव
3. औरत, अस्मिता और संवेदन, अरविन्द जैन
4. परिधि पर स्त्री, मृणाल पांडे
5. नारीवादी विमर्श, राकेश कुमार, आधार प्रकाशन
6. दुर्ग द्वार पर दस्तक, कात्यायनी
7. भारतीय समाज में नारी, नीरा देसाई।

अथवा (घ) 9-अनूदित साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें -

1. चित्र प्रिया—अखिलन, (ज्ञानपीठ प्रकाशन)
2. निशीथ—उमाशंकर जोशी
3. समकालीन मराठी कहानियाँ, डॉ. चन्द्रकांत वांदिवडेकर

अंक विभाजन

1. प्रत्येक पुस्तक से एक-व्याख्या — 9 × 3 = 27 अंक
2. तीन पुस्तकों से कुल तीन प्रश्न
   (क) दो प्रश्न आलोचनात्मक — 18 × 2 = 36 अंक
   (ख) दो टिप्पणियाँ — 9 × 2 = 18 अंक
3. अनुवाद-प्रक्रिया से सम्बन्धित एक प्रश्न — 19 अंक

UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR
RULES FOR THE AWARD OF GRACEMARKS

A. UNDER GRADUATE/POST GRADUATE (MAIN/SUPPLEMENTARY) EXAMINATIONS UNDER THE FACULTIES OF ARTS, FINE ARTS, SCIENCE, COMMERCE, SOCIAL SCIENCE, EDUCATION, MANAGEMENT, HOMOEOPATHY, LAW, AYURVEDA AND ENGINEERING & TECHNOLOGY.

Grace marks to the extent of 1% of the aggregate marks prescribed for an examination will be awarded to a candidate failing in not more than 25% of the total number of theory papers, practicals, sessionals, dissertation, viva-voce and the aggregate, as the case may be, in which minimum pass marks have been prescribed; provided the candidate passes the examination by the award of such Grace Marks. For the purpose of determining the number of 25% of the papers, only such theory papers, practicals, dissertation, viva-voce etc. would be considered, of which, the examination is conducted by the University.

N.B. : If 1% of the aggregate marks or 25% of the papers works out in fraction, the same will be raised to the next whole numeber. For example, if the aggregate marks prescribed for the examination are 450, grace marks to the extent of 5 will be awarded to the candidate, similarly, if 25% of the total papers is 3.2, the same will be raised to 4 papers in which grace marks can be given.

General

1. A candidate who passes in a paper/practical or the aggregate by the award of grace marks will be deemed to have obtained the necessary minimum for a pass in that paper/practical or in the aggregate and shown in the marks sheet to have passed by grace. Grace marks will not be added to the marks obtained by a candidate from the examiners nor will the marks obtained by the candidate be subject to any deduction due to award of grace marks in any other paper/practical or aggregate.

2. If a candidate passes the examination but misses First or Second Division by one mark, his aggregate will be raised by one marks so as to entile him for the first or second division, as the case may be. This one mark will be added to the paper in which he gets the least marks and also in the aggregate by showing + 1 in the tabulation register below the marks actually obtained by the candidate. The marks entered in the marks-sheet will be inclusive of one grace mark and it will not be shown separately.

3. Non appearance of a candidate in any paper will make him ineligible for grace marks. The place of a passed candidate in the examination list will, however, be determined by the aggregate marks he secures from the examiners, and he will not, by the award of grace marks, become entitled to a higher division.

4. Distinction won in any subject at the examination is not to be forfeited on the score that a candidate has secured grace marks to pass the examination.

Note: The grace marks will be awarded only if the candidate appears in all the registered papers prescribed for the examination.